SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Junior Legal Officer (Rajasthan)

कनिष्ठ विधि अधिकारी वह अधिकारी है जो सरकारी विभाग को उसके रोज़ के कामकाज में क़ानूनी सलाह देता है। विभाग जब कोई अनुबंध करता है, किसी कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही चलाता है, किसी न्यायालय अथवा अधिकरण में पक्षकार बनता है,...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-junior-legal-officer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित

Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

कनिष्ठ विधि अधिकारी वह अधिकारी है जो सरकारी विभाग को उसके रोज़ के कामकाज में क़ानूनी सलाह देता है। विभाग जब कोई अनुबंध करता है, किसी कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही चलाता है, किसी न्यायालय अथवा अधिकरण में पक्षकार बनता है, अथवा कोई आदेश निकालता है — तब यह देखना कि वह विधिसम्मत है या नहीं, इसी पद का काम है। इसमें विभाग की ओर से न्यायालयों में प्रस्तुत होने वाले जवाब तैयार करना, सरकारी अधिवक्ता के साथ समन्वय, फ़ाइलों पर विधिक टिप्पणी, तथा विभागीय जाँच की कार्यवाही में सहायता सम्मिलित है। इस पद की सबसे व्यावहारिक विशेषता यह है कि यह विधि स्नातक के लिए तुरंत उपलब्ध है — सहायक अभियोजन अधिकारी की तरह बार में दो वर्ष के अनुभव की शर्त यहाँ नहीं है। जो विद्यार्थी एल.एल.बी. पूरी करके सीधे सरकारी सेवा में जाना चाहता है, उसके लिए यह राजस्थान के सबसे सीधे रास्तों में से एक है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	विधि स्नातक — किसी विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से अथवा समकक्ष, तीन वर्षीय प्रावीण्य डिग्री पाठ्यक्रम सहित (सेवा नियम 1981, अनुसूची-I)
भर्ती संस्था	राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.), अजमेर — विभाग: विधि एवं विधिक कार्य
आयु-सीमा	21 से 40 वर्ष, आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को (सेवा नियम 1981) — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स स्तर सेवा नियमों में नहीं दिया — विज्ञप्ति देखें
माँग	100% सीधी भर्ती — इस पद पर पदोन्नति से कोई नियुक्ति नहीं होती

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- क़ानून एवं उसके व्यावहारिक प्रयोग में रुचि
- प्रशासन एवं नीति के भीतर काम करना

- पढ़ने, लिखने एवं विश्लेषण का काम

क्षमताएँ

- सावधान पठन — प्रस्ताव में विधिक त्रुटि पहले ही पकड़ लेना
- स्पष्ट लेखन, क्योंकि विधिक टिप्पणी पर आगे निर्णय होता है
- दबाव में भी विधि के अनुसार राय देना

ज़रूरी कौशल

- सिविल एवं प्रशासनिक विधि का व्यावहारिक ज्ञान
- अनुबंध एवं निविदा दस्तावेज़ों की विधिक जाँच
- न्यायालय एवं अधिकरण में प्रस्तुत जवाब तैयार करना
- सेवा विधि एवं विभागीय अनुशासनिक कार्यवाही
- फ़ाइलों पर विधिक टिप्पणी एवं शासकीय पत्राचार
- सरकारी अधिवक्ता एवं विधि विभाग से समन्वय

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 उत्तीर्ण करें; कला संकाय इस राह के लिए स्वाभाविक है।
2. विधि स्नातक बनें — नियम में शर्त है कि डिग्री किसी विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय से अथवा उसके समकक्ष हो, और उसके साथ तीन वर्षीय प्रावीण्य डिग्री पाठ्यक्रम का उल्लेख है। पंचवर्षीय एकीकृत विधि पाठ्यक्रम अथवा स्नातक के बाद तीन वर्षीय एल.एल.बी., दोनों सामान्य रास्ते हैं; अपनी डिग्री की समकक्षता विज्ञप्ति में अवश्य जाँच लें।
3. यहाँ एक बात विशेष रूप से जान लें, क्योंकि यह इस पद को अन्य विधि-पदों से अलग करती है: इसके लिए बार में किसी पूर्व अनुभव की शर्त नहीं है। सहायक अभियोजन अधिकारी के लिए दो वर्ष की वकालत अनिवार्य है, इस पद के लिए नहीं। अर्थात् एल.एल.बी. पूरी होते ही आप पात्र हैं।
4. आयु 21 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए, तथा हिन्दी का देवनागरी लिपि में कार्यसाधक ज्ञान एवं राजस्थान की संस्कृति का ज्ञान भी इन नियमों की सामान्य शर्त है।
5. तैयारी सिविल एवं प्रशासनिक विधि, सेवा विधि, अनुबंध विधि तथा संविधान पर केंद्रित रखें — यही विषय विभाग के दैनिक कामकाज में आते हैं।
6. आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्ति आने पर आवेदन करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- भर्ती राजस्थान लोक सेवा आयोग करता है और अनुसूची में यह पद अधीनस्थ सेवा के अंतर्गत आता है, जो 100% सीधी भर्ती से भरा जाता है — इसके आगे पदोन्नति का कोई प्रतिशत नहीं है। अर्थात् संवर्ग में प्रवेश केवल इसी द्वार से होता है।
- पदोन्नति का ढाँचा सरल है: वरिष्ठ विधि अधिकारी का पद 100% पदोन्नति से भरा जाता है और उसके लिए कनिष्ठ विधि अधिकारी के पद पर 5 वर्ष की सेवा आवश्यक है।
- नाम को लेकर एक बात अवश्य जान लें, क्योंकि पुरानी विज्ञप्तियाँ एवं पुराने नियम-पाठ खोजते समय भ्रम पैदा करते हैं। 23-10-2012 की अधिसूचना से "विधि सहायक" (Legal Assistant) का नाम बदलकर "कनिष्ठ विधि अधिकारी" (Junior Legal Officer) किया गया, और उसी अधिसूचना से "प्रधान विधि सहायक" (Head Legal Assistant) का नाम "वरिष्ठ विधि अधिकारी" (Senior Legal Officer) हुआ। दोनों नाम एक ही जोड़ी के दो सिरे हैं — यदि आपको कहीं विधि सहायक का उल्लेख मिले, तो वह इसी पद की बात है।
- इस पद की तुलना दो पड़ोसी विधि-पदों से करना उपयोगी है, क्योंकि तीनों एल.एल.बी. से शुरू होते हैं पर उनका काम भिन्न है। विधि रचनाकार क़ानून का पाठ लिखता है और उसकी परीक्षा पूरी तरह अनुवाद पर आधारित है, तथा उसके लिए बी.ए. में अंग्रेज़ी एवं हिन्दी दोनों विषय होने की शर्त है। सहायक अभियोजन अधिकारी न्यायालय में आपराधिक मुक़दमे की पैरवी करता है और उसके लिए बार में दो वर्ष का अनुभव अनिवार्य है। कनिष्ठ विधि अधिकारी विभाग का विधिक सलाहकार है और उसके लिए इनमें से कोई अतिरिक्त शर्त नहीं — इसीलिए यह ताज़ा विधि स्नातक के लिए सबसे सुलभ है।

- ध्यान दें — यह पद सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूचियों में नहीं है, इसलिए इसके लिए सी.ई.टी. उत्तीर्ण करना आवश्यक नहीं। यह आयोग का पद है, बोर्ड का नहीं।
- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Government law colleges, Rajasthan — LL.B. — जयपुर, जोधपुर, अजमेर, उदयपुर, कोटा, बीकानेर (https://hte.rajasthan.gov.in/)
- National Law University, Jodhpur — five-year integrated law course — जोधपुर, राजस्थान (https://nlujodhpur.ac.in/)
- University of Rajasthan — Faculty of Law — जयपुर, राजस्थान (https://uniraj.ac.in/)
- Government colleges for the graduation that precedes a three-year LL.B. — राजस्थान के सभी ज़िले (https://hte.rajasthan.gov.in/)

ऑनलाइन

- विधि एवं विधिक कार्य विभाग, राजस्थान — यही वह विभाग है जिसमें यह पद आता है (https://home.rajasthan.gov.in)
- India Code — Central and State Acts, free and authoritative — भारत सरकार (https://www.indiacode.nic.in/)
- राजस्थान राजपत्र — नियम एवं अधिसूचनाएँ — राजस्थान सरकार (https://rajasthan.gov.in/)

- eCourts — court records and cause lists — भारत सरकार (https://ecourts.gov.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

एल.एल.बी. राजकीय विधि महाविद्यालयों में बहुत कम शुल्क पर हो जाती है और राजस्थान के हर संभाग में ऐसा महाविद्यालय है। इस पद की व्यावहारिक सुविधा यह है कि डिग्री पूरी होते ही पात्रता बन जाती है — बार में दो वर्ष प्रतीक्षा करने की आवश्यकता नहीं, इसलिए पढ़ाई एवं भर्ती के बीच कोई अनिवार्य अंतराल नहीं रहता। तैयारी की सामग्री लगभग पूरी तरह निःशुल्क है: संविधान, अनुबंध अधिनियम, सेवा विधि से जुड़े नियम एवं राज्य के अधिनियम सब इंडिया कोड तथा राजस्थान राजपत्र पर उपलब्ध हैं। परीक्षा शुल्क कुछ सौ रुपये है और आरक्षित वर्गों को छूट मिलती है। एक बात ध्यान रखें — विधि स्नातक होने के बाद बार काउंसिल में नामांकन इस पद के लिए आवश्यक नहीं है, पर यदि आप वकालत भी करना चाहते हैं तो वह अलग निर्णय है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

सचिवालय एवं विभागों के विधि प्रकोष्ठ, ज़िला एवं संभाग स्तर के कार्यालय, तथा न्यायालयों एवं अधिकरणों से जुड़ा कार्य। काम मुख्यतः कार्यालय का है और लगभग पूरा लिखित।

कार्य-संस्कृति

यह विधि का वह रूप है जिसमें न्यायालय की प्रतिद्वंद्विता कम और परामर्श अधिक है। दिन का बड़ा हिस्सा फ़ाइलें पढ़ने, प्रस्तावों की विधिक जाँच करने एवं टिप्पणी लिखने में बीतता है, और उस टिप्पणी के आधार पर विभाग निर्णय लेता है — इसलिए ज़िम्मेदारी दिखने से अधिक होती है। समय-सीमा प्रायः न्यायालय तय करता है: जब कोई जवाब किसी तिथि तक प्रस्तुत करना हो तो दबाव तीव्र हो जाता है, शेष समय गति नियमित रहती है। इस पद पर सीखने की गति तेज़ रहती है, क्योंकि विभाग के प्रश्न विविध होते हैं — एक ही सप्ताह में अनुबंध, सेवा विवाद एवं भूमि से जुड़ा प्रकरण सामने आ सकते हैं। जो विद्यार्थी विधि पढ़ना चाहता है पर न्यायालय में खड़े होकर बहस करने के जीवन एवं निजी वकालत की अनिश्चित आय से बचना चाहता है, उसके लिए यह उपयुक्त रास्ता है।

कौन नौकरी देता है

- विधि एवं विधिक कार्य विभाग, राजस्थान
- राज्य सरकार के विभागों के विधि प्रकोष्ठ
- राज्य के निगम, मंडल एवं स्वायत्त संस्थान

माँग (2026)

सरकारी विभागों का काम अनुबंध, सेवा विवाद, भूमि, निविदा एवं न्यायालयों में लंबित प्रकरणों से भरा रहता है, और उन सब पर विधिक राय की आवश्यकता निरंतर बनी रहती है, इसलिए यह संवर्ग स्थायी है। फिर भी संवर्ग बड़ा नहीं है और विज्ञप्ति हर वर्ष नहीं आती। इस पद की तैयारी की सबसे व्यावहारिक बात यह है कि पात्रता में कोई अतिरिक्त शर्त न होने के कारण यह एल.एल.बी. के तुरंत बाद के वर्षों में लक्ष्य बनाया जा सकता है, और उसी अवधि में विधि स्नातक के लिए खुले अन्य रास्ते — सहायक अभियोजन अधिकारी (दो वर्ष की वकालत के बाद), विधि रचनाकार (यदि बी.ए. में अंग्रेज़ी एवं हिन्दी रहे हों), न्यायिक सेवा, तथा विधिक सहायता एवं निजी वकालत — साथ-साथ खुले रहते हैं। एक ही डिग्री से कई द्वार खुलते हैं, और यह पद उनमें सबसे जल्दी उपलब्ध होने वाला है। पदों की संख्या विभाग की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. कनिष्ठ विधि अधिकारी — प्रवेश का पद, 100% सीधी भर्ती (पूर्व नाम: विधि सहायक)
2. वरिष्ठ विधि अधिकारी — 100% पदोन्नति से, कनिष्ठ विधि अधिकारी के पद पर 5 वर्ष की सेवा पर (पूर्व नाम: प्रधान विधि सहायक)
3. राज्य सेवा के विधि अधिकारी स्तर के पद
4. विधि विभाग एवं विभागीय विधि प्रकोष्ठों में वरिष्ठ परामर्शी उत्तरदायित्व

कमाई

शुरुआत	विज्ञप्ति में घोषित पे मैट्रिक्स स्तर के अनुसार
मध्य स्तर	₹50,000 – ₹70,000 (भत्तों सहित, कुछ वर्षों बाद)
वरिष्ठ स्तर	₹85,000 से अधिक (भत्तों सहित, वरिष्ठ विधि अधिकारी एवं उससे ऊपर)

1981 के सेवा नियमों में इस पद के लिए पे मैट्रिक्स का स्तर नहीं दिया गया, इसलिए आरंभिक वेतन इस पृष्ठ पर आँकड़े के रूप में नहीं लिखा गया — वह उसी चक्र की विज्ञप्ति में मिलेगा। ऊपर दिए मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। तुलना के लिए एक बात उपयोगी है: निजी वकालत के आरंभिक वर्षों में आय अत्यंत अनिश्चित रहती है, जबकि यह पद पहले दिन से नियमित वेतन देता है — और यही इसका मुख्य आकर्षण है। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- एल.एल.बी. पूरी होते ही पात्रता — बार में पूर्व अनुभव की कोई शर्त नहीं
- 100% सीधी भर्ती, इसलिए प्रवेश पर विभागीय पदोन्नति की प्रतिस्पर्धा नहीं
- निजी वकालत की अनिश्चित आय के बिना विधि में काम
- विषयों की विविधता के कारण सीखने की गति तेज़
- तैयारी की सामग्री सरकारी वेबसाइटों पर निःशुल्क उपलब्ध

चुनौतियाँ

- संवर्ग छोटा है और विज्ञप्ति हर वर्ष नहीं आती
- काम मुख्यतः फ़ाइल एवं टिप्पणी का है — न्यायालय में बहस का अवसर सीमित
- पदोन्नति की सीढ़ी छोटी है
- पुराने नाम (विधि सहायक) के कारण पुरानी विज्ञप्तियाँ खोजने में भ्रम होता है

9 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- विधि रचनाकार / विधायी प्रारूपकार (राजस्थान)
- सहायक अभियोजन अधिकारी (राजस्थान)

- न्यायाधीश

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कार्मिक विभाग, राजस्थान — राजस्थान विधिक (राज्य एवं अधीनस्थ) सेवा नियम, 1981 — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/20241211034114926645 9vidhi_merged.pdf

2. राजस्थान लोक सेवा आयोग — विज्ञप्तियाँ — https://rpsc.rajasthan.gov.in/advertisements

3. गृह विभाग, राजस्थान — विधि एवं विधिक कार्य विभाग की अपनी साइट वर्तमान में उपलब्ध नहीं — https://home.rajasthan.gov.in

4. इंडिया कोड — केंद्रीय एवं राज्य अधिनियम — https://www.indiacode.nic.in/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in